श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ सह सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 23 * अंक : 21 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 फरवरी 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यदेवेश की शुभ निश्रा में त्रिवेणी महोत्सव

नागदा (म.प्र.),

प्रातःस्मरणीय विश्वपूज्य दादागुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के प्रशिष्य प. पू. राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं प्रखर समाज शिल्पी आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का दिनांक 28-1-2018 को नागदा जं. में भव्यातिभव्य मंगल प्रवेश हुआ। आचार्यद्वय यहाँ पर आयोजित पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 35वें पाटोत्सव एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की प्रतिमा (मध्यप्रदेश यात्रा में) प्रथम पावन प्रतिष्ठा में अपनी पावन निश्रा प्रदान करेंगे।

आचार्यद्वय का भव्य प्रवेश पुरानी नगर पालिका से प्रातः 9 बजे प्रारम्भ हुआ। प्रवेश द्वार पर जैन श्रीसंघ और नगरपालिका अध्यक्ष श्री अशोक मालवीय, नगर विधायक श्री दिलीपसिंह शेखावत सहित नगर के नागरिकों ने गुरुवन्दन कर स्वागत किया। हजारों गुरुभक्तों के साथ वरघोड़े में ढोल, बैण्ड की मधुर ताल पर नृत्य करते गुरुभक्त सभी का मनमोह रहे थे। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर द्वय आचार्यों को बधाया। वरघोड़े में विशेष रूप से पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की नवीन प्रतिमा नगर में भ्रमण कर रही थी। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते वरघोड़े में कदम-कदम पर गुरुभक्तों ने आचार्यद्वय की गहुँली कर स्वागत किया। मार्ग में अन्य समाजों द्वारा भी आचार्यद्वय का स्वागत करते हुए आशीर्वाद पाया। यह भव्य शोभायात्रा पार्श्वप्रधान पाठशाला भवन पहुँच कर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई।

प्रातः युवराज धर्मशाला में आयोजित नवकारसी का लाभ स्व. श्रीमती दाखाबाई सौभागमलजी नान्देचा ओरा परिवार ने लिया। कार्यक्रम के पश्चात् श्री मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ की ओर से स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया।

दिनांक 29-1-2018 को प्रातः भास्कर की किरणों के साथ ही गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी एवं आचार्यदेवश्री जयरत्नसूरिजी म. सा तथा श्रमण-श्रमणिमण्डल हजारों गुरुभक्तों के साथ गाजते-बाजते जैन कॉलोनी स्थित श्री शान्तिनाथ जिनालय में पधारे। जहाँ पर देव-गुरु के दर्शन-वन्दन करके आचार्यद्वयश्री की पावन निश्रा में विधि-विधान के साथ पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की नूतन प्रतिमा की प्रतिष्ठा जय-जयकारों के साथ हर्षोल्लास के साथ हुई। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की प्रतिमा बिराजमान करने का लाभ मेंगलवा (राज.) निवासी श्रीमती मोहनीदेवी सांवलचन्दजी बालगोता परिवार (कुन्दन ग्रुप) ने लिया एवं कलश का लाभ मेंगलवा निवासी श्रीमती देवुबाई सुखराजजी बालगोता परिवार और पुण्य-सम्राट गुरुदेव की मूर्त्ति भराने का लाभ मानपाड़ा (महाराष्ट्र) स्थित श्री शान्तिनाथ जैन ट्रस्ट ने लिया।

पुण्य-सम्राट गुरुदेव की प्रतिष्ठित प्रतिमा

प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पश्चात् सुविशाल गच्छाधिपति, राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. का 35 वाँ पाटोत्सव के उपलक्ष्य में गुरु गुणानुवाद सभा का शुभारम्भ गच्छाधिपतिश्री ने मंगलाचरण से करते हुए कहा कि जहाँ श्रद्धा, भक्ति और समर्पण होता है वह धरा धन्य हो जाती है। पुण्य-सम्राट गुरुदेव ने तो मालवा की गुरुभक्ति की अनुमोदना की ही है परन्तु आज भी मालवा की गुरुभक्ति सर्वोपरि है और अखण्डित रहेगी।

गुणानुवाद करते हुए माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने कहा कि आज से 35 वर्ष पूर्व राजस्थान की धर्मधरा माण्डवपुर पर पुण्य-सम्राट गुरुदेव को कृपासिन्धु गुरुदेव श्री शान्तिविजयजी म. सा. की निश्रा में आयोजित समारोह में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ की सहमति से आचार्यपद प्रदान किया गया था और पुण्य-सम्राटश्री ने आचार्यपद की महिमा और गरिमा के अनुरूप जिनशासन के उत्कृष्ट व स्वर्णाक्षरों से मण्डित होने वाले कार्यों की ऐसी अनुपम शृंखला बनाई जिसका वर्णन शब्दों में करना असम्भव है। पुण्य-सम्राटश्री ने जिस स्थान पर आचार्य पद अंगीकार किया था उसी धरा पर अन्तिम प्रयाण कर उसे पुण्य भूमि बना दिया। पुण्य-सम्राट की कृपा सभी गुरुभक्तों पर अविरल बरस रही है। आज भी गुरुदेव अपना दिव्याशीष प्रदान करने हमारे बीच में ही विद्यमान है बस श्रद्धा और समर्पण की आवश्यकता है उन्हें देखने के लिए।

इस अवसर पर मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. एवं मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. ने सारगर्भित प्रवचन प्रदान किया। श्रीसंघ के अध्यक्ष सुनीलजी वागरेचा और परिषद् के पूर्व अध्यक्ष मनोजजी ने स्वागत उद्बोधन दिया, अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् की राष्ट्रीय अध्यक्ष अंगूरबाला सेठिया ने श्रीसंघ और परिषद् परिवार की धर्मसभा में अनुमोदना की। धर्मसभा में अनेक गणमान्य नागरिक, परिषद् पदाधिकारी एवं अनेक नगरों के श्रीसंघ प्रमुख उपस्थित थे।

धर्मसभा का संचालन अभिषेकजी कोलन ने किया। गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यदेवेशश्री को नागदा श्रीसंघ ने कामबली बोहराकर आशीर्वाद प्राप्त किया। नागदा में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरों के दर्शन-वन्दन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु गुरुभक्तों का दिनभर मेला लगा रहा। विशेष रूप से केन्द्रीय मन्त्री श्री थावरचन्द गहलोत, श्री लालसिंह राणावत (पूर्व विधायक), श्री दिलीप गुर्जर (म. प्र. कांग्रेस महासचिव) श्री सुल्तानसिंह शेखावत (केबीनेट मन्त्री म.प्र.), पार्षद श्री राजेश धाकड़ व श्री विजय पोरवाल सहित अनेक भक्त पधारे। परम गुरुभक्त श्री प्रकाशजी हिरणी, बैंगलोर भी इस प्रसंग पर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अन्तर्मन से अनुमोदना

त्रिस्तुतिक परम्परा के पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर आचार्य श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. पहली बार मालवा क्षेत्र तथा रतलाम पधारे। आचार्यश्री ने यहाँ आकर संघ, समाज में अपनी गहरी छाप छोड़ी। स्पष्टता (साफगोई) तथा अपनी तर्कसंगत चर्चा के द्वारा उन्होंने नई ऊर्जा का संचार पैदा किया। अपनी ओजपूर्ण वाणी तथा संघ एकता के नए सूत्रपात की उन्होंने एक नई शुरूआत की। सकारात्मक सोच एवं रचनात्मक ऊर्जा को लेकर समाज में उत्साह का संचार पैदा कर अपनी कार्यशैली से समाज को नई दिशा देने का सफल प्रयास किया।

आचार्यश्री माण्डवपुर तीर्थ सहित कई तीर्थों में अपनी कार्य पद्धति से एक कुशल रणनीतिकार के रूप में सिद्ध हुए हैं। जिससे समाज में नई उम्मीदों की आस जगी है। सामाजिक बिखराव और सुस्ती को देखते हुए आचार्यश्री का इस क्षेत्र में पदार्पण होना शुभ संकेत है तथा पुण्य-सम्राट की कमी पूरी होने की आशा जगी है।

-पारसमल खेड़ावाला

आचार्यद्वय के पदार्पण पर हुआ भव्य मंगल प्रवेश सम्पूर्ण मालवा रंगाया गुरु भक्ति के अनुपम रंग में

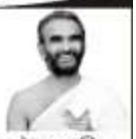

माण्डवपुर (स. सं.),

राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा. आदि विशाल साधु-साध्वी भगवन्तों का मध्यप्रदेश की पावन भूमि पर स्थान-स्थान पर भव्य स्वागत-अभिनन्दन किया गया।

मुस्लिम समुदाय ने शॉल ओढ़ाकर किया इस्तकबाल

मेघनगर,

गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि साधु-साध्वी भगवन्त का मेघनगर आगमन पर मुस्लिम समुदाय द्वारा शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। मुस्लिम समाज के सदर ने बताया कि इसके पूर्व में भी पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. जब नगर में पधारे थे तब भी उनका आशीर्वाद हमें प्राप्त हुआ और आज भी महाराज साहब का आशीर्वाद हमें प्राप्त हुआ है, निश्चित ही हमारा समाज ऐसे सन्तों का आशीर्वाद पाकर धन्य हुआ है।

इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के सदर इरफान शैरानी, हाजी ईसारसूल शैरानी, मा. पत्रकार संघ के संयोजक सलीम शैरानी, समाचार मंच जिलाध्यक्ष सलीम कादरी, आशिक शैरानी, अतीक खान, हसन खान, अनवर चाचा, इरशाद रंगरेज, सद्दाम भाई, शाहरुख खान, भूरूभाई, महमूद सिरगर आदि उपस्थित थे।

दादा गुरुदेव की क्रियोद्धार भूमि पर हुआ भव्यातिभव्य प्रवेश

जावरा,

जैनाचार्य राष्ट्रसन्त श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर आचार्यद्वय श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं संघ शिल्पी श्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि साधु-साध्वी भगवन्त का भव्यातिभव्य मंगल प्रवेश हुआ। मार्ग में गुरुभक्ति में डूबे जैन समाज ने आचार्यद्वय के दर्शन-वन्दन कर गहुँली कर स्वागत किया।

प्रातः आचार्यद्वय व मुनिमण्डल का आगमन हुआ, दर्शन के लिए जैन समाज उमड़ पड़ा। ढोल-ढमाकों और बैण्ड की स्वरलहरियों के साथ मंगल प्रवेश हुआ। 151 महिलाएँ मंगल कलश धारण कर चल रही थी वहीं पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की झाँकियाँ आकर्षित कर रही थी। जैन मन्दिर पर आचार्यद्वयश्री पाटगादी पर बिराजित हुए। इसके पश्चात् शोभायात्रा प्रमुख मार्गों से होती हुई श्री राजराजेन्द्र वाटिका तीर्थ पहुँची, जहाँ धर्मसभा में परिवर्तित हो गई।

गच्छाधिपति श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. ने मंगलाचरण करते हुए कहा कि जावरा संघ की गुरुभक्ति गुरुदेवश्री के प्रति पूर्ण समर्पणता के साथ रही है। मुनिश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. ने कहा कि गुरु के चरणों में पहुँच जाओगे तो निश्चित ही कल्याण हो जायेगा। जावरा संघ भाग्यशाली है जिन्हें गुरुदेव का अन्तिम जन्मोत्सव, दीक्षा, प्रतिष्ठा आयोजन कराने का सुयोग प्राप्त हुआ।

आशीर्वचन प्रदान करते हुए माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने कहा कि आज ही चर्चा-चक्रवर्ती आचार्यदेवेशश्री भूपेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. का पाटोत्सव दिवस है। दादागुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. ने क्रियोद्धार कर सच्चे साधु मार्ग को अपनाकर क्रान्ति का शंखनाद किया था। वर्तमान में मोहनखेड़ा, भरतपुर, माण्डवपुर की तरह जावरा भी ऐतिहासिक धर्मस्थली है। जहाँ गुरुदेव ने समकित का बोध और त्याग का सन्देश प्रदान किया।

इस अवसर पर अनेक राजनैतिक एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समाज गौरव श्री कन्हैयालालजी धारीवाल का बहुमान किया गया। नवकारसी के लाभार्थी श्री प्रकाशचन्द्र लोकेशकुमारजी बोहरा परिवार थे। धर्मसभा के पश्चात् आचार्यद्वयश्री ने मन्दिर निर्माण की जानकारी लेते हुए उचित मार्गदर्शन प्रदान करते हुए मुक्तकण्ठ से सराहना की।

लोकसन्तश्री ने पिपलोदा को दिया गुरुभक्ति का फल

पिपलोदा,

नगर में लोकसन्तश्री के पट्टधरों का मंगल प्रवेश झाला चौराहे से प्रारम्भ हुआ जहाँ समाजजनों द्वारा भव्य अगवानी की गई। एक वर्ष के इन्तजार के पश्चात् नगर में लोकसन्तश्री के पट्टधर आचार्यद्वय के प्रवेश पर पिपलोदावासी उनके स्वागत-अभिनन्दन में खड़े रह कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंगल प्रवेश में गगन साऊण्ड, 4 घोड़े, डीजे, ताशिया पार्टी, बैण्ड, 7 बग्घी व आदिवासी लोकनृत्य आकर्षण का केन्द्र रहा। चल समारोह में महिला व बहू परिषद् कलश धारण कर चल रही थी वहीं तरुण आचार्यश्री के साथ गुरुदेव के जयकारे लगाते हुए व बालिका डाण्डिया रास करते थिरक रही थी। चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरता हुआ झण्डावाला चौक पर धर्मसभा में परिवर्तित हो गया।

धर्मसभा में गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरिजी म. सा. ने कहा कि पिपलोदावासियों की अपने गुरु के प्रति पूर्ण श्रद्धा व समर्पण ही है जो हम यहाँ पर पहुँचे है। भगवान एवं गुरु को स्वयं के दिल में बिराजमान करके उनके बताए मार्ग पर चलना व हमारी आत्मा का कल्याण करना ही सच्ची भक्ति है। पिपलोदा नगर ने जिस उत्साह और उमंग के साथ ऐतिहासिक प्रतिष्ठा करवाई और पुण्य-सम्राटश्री का जो स्वागत नगर में हुआ था निश्चित ही वही जोश और उमंग आज भी पिपलोदावासियों में कायम है।

प्रवचनकार, समन्वयवादी आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरिजी म. सा. ने अपने सारगर्भित प्रवचन में कहा कि लोकसन्त गुरुदेवश्री पिपलोदा की भक्ति देखकर इतने प्रभावित हुए थे कि पिपलोदा प्रवेश के साथ-साथ उन्होंने सामूहिक दीक्षा मुहूर्त अर्पण का कार्यक्रम लाभ भी पिपलोदा को दिया। आप ऐसा न सोचें कि गुरुदेव हमारे बीच नहीं है, उनका दिव्याशीष आज भी उसी प्रकार हमको, आपको और सभी गुरुभक्तों को प्राप्त हो रहा है। गुरुदेवश्री ने तो मालवांचल की अन्तिम प्रतिष्ठा कर पिपलोदा का नाम हमेशा के लिए अपने साथ जोड़ लिया है।

गुरुपूजन और आचार्यद्वय को कामबली ओढ़ाने का लाभ श्री राकेशकुमार, मुकेशकुमार, रतनलाल बोहरा परिवार इन्दौर ने लिया। आचार्यद्वय की प्रथम गहुँली का लाभ श्री संजय राजमल बरमेचा परिवार द्वारा, प्रथम कलश का लाभ श्री ऋषभ बाबूलाल धींग परिवार द्वारा, नवकारसी का लाभ मंजूलाबेन नान्देचा तथा नगर के विभिन्न स्थानों पर जल व चाय व्यवस्था का लाभ आर. के. परिवार द्वारा लिया गया। नगरवासियों और जैन समाज द्वारा स्थान-स्थान पर गहुँली कर गुरुभक्तों ने अपने लाड़ले आचार्यों को बधाया।

बड़ावदा में महावीर मांगलिक परिसर का लोकार्पण

बड़ावदा, 25 जनवरी 18,

गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा का अति भव्य मंगल प्रवेश जावरा रोड़ से बड़ावदा नगर में ढोल, बैण्ड-बाजों के साथ ऐतिहासिक प्रवेश हुआ।

आचार्यद्वय की पावन निश्रा में सकल जैन समाज की धरोहर महावीर मांगलिक परिसर का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर परिसर निर्माण के विशेष सहयोगी व स्वामीवात्सल्य के लाभार्थी प्रो. श्रीपाल मोंगीलालजी सकलेचा परिवार (बड़ावदा वाला) इन्दौर का श्रीसंघ की ओर से अभिनन्दन किया गया।

आचार्यद्वय की पावन निश्रा में स्वर्ण ध्वजारोहण

खाचरोद, 26 जनवरी 18,

पुण्य-सम्राट के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा का अति भव्य मंगल प्रवेश जावरा रोड़ पर श्री राज राजेन्द्र जयन्तसेन विद्यापीठ से हुआ। श्री राज राजेन्द्र जयन्तसेन विद्यापीठ में आज गणतन्त्र दिवस पर आचार्यद्वय आदि ठाणा की निश्रा में राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर मुनिश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. ने विद्यार्थियों को अपने सन्देश में कहा कि हर त्यौहार हमें सन्देश देने आता है और हर राष्ट्रीय पर्व हमें सन्देश देता है कि हमें अपने देश को, उसके लोकतन्त्र को सर्वोच्च सम्मान देना चाहिये।

मंगल प्रवेश की भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई राजेन्द्रसूरि जैन पौषधशाला पहुँची। मार्ग में समाज के वरिष्ठ श्रावकों ने आचार्यद्वय का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा नगर में गुरुदेव की पग-पग पर गहुँली की गई। सम्पूर्ण नगर में बेनर, स्वागत द्वार लगाये गये एवं विशेष सुसज्जित किया गया। पौषधशाला में पहुँच कर शोभायात्रा विशाल धर्मसभा में परिवर्तित हो गई, जहाँ पर सामूहिक गुरुवन्दन पश्चात् श्री आदिश्वर जिनालय की ध्वजारोहण के चढ़ावे बोले गए। चढ़ावे का लाभ श्री दीपचन्दजी राजेन्द्रजी भारतीय ने लिया।

दिनांक 27 जनवरी 2018 को प्रातः मंगल वेला में आचार्यद्वयश्री की पावन निश्रा में स्वर्ण ध्वजारोहण लाभार्थी परिवार एवं हजारों गुरुभक्तों की उपस्थिति में किया गया। दोनों दिन श्रीसंघ की ओर से स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया। मन्दिरजी में भव्य अंगरचना की गई एवं रात्रि को संगीतकारों द्वारा भक्ति की रमझट की गई।

इस अवसर पर अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी श्री ब्रजेश बोहरा ने श्री संघ से 28 जनवरी को नागदा प्रवेश व 29 जनवरी को पुण्य-सम्राट के पाटोत्सव और प्रतिष्ठा कार्यक्रम की विनती नागदा श्रीसंघ की ओर से की। खाचरोद प्रवेश कार्यक्रम में अनेक श्रीसंघ पधारे, विशेष रूप से सियाणा श्रीसंघ ने आचार्यद्वय के दर्शन-वन्दन कर प्रतिष्ठा हेतु विनती की। कार्यक्रम का संचालन डी. सी. नान्देचा ओरा ने किया।

नेह्लोर में हुआ पंचाह्निका महोत्सव व पुण्य-सम्राट का 65वाँ संयमोत्सव

नेह्लोर, (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेव, राष्ट्रसन्त, श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं स्पष्टवक्ता, समन्वयवादी, आचार्यप्रवरश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री संयमरत्नविजयजी म. सा. एवं मुनिराजश्री भुवनरत्नविजयजी म. सा. की निश्रा में नेह्लोर नगर में युग प्रभावकाचार्य श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. का 65 वाँ संयमोत्सव मनाया गया।

गुरु गुणानुवाद करते हुए मुनिद्वय ने पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के सम्पूर्ण जीवन चरित्र को दर्शाते हुए उनकी प्रभाविकता का वर्णन किया। थलवाड़ निवासी श्री मोडमलजी जोईताजी बाफना (नेह्लोर) की ओर से चल रहे पंचाह्निका महोत्सव के चतुर्थ दिवस पर प्रथम बार नेह्लोर में संयम दानेश्वरी श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरिजी की अष्टप्रकारी महापूजा पढ़ाई गई।

इस अवसर पर श्री माँगीलालजी, शान्तिलालजी, संजयजी रामाणी एवं किशोरजी जैन ने गुणानुवाद सभा में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के गुणगान करते हुए अपने भाव सुमन अर्पित किए।

पंचाह्निका महोत्सव के समापन के पश्चात् मुनिद्वय की निश्रा में श्री मुनिसुव्रतस्वामी जिन मन्दिर, कोचुर का ध्वजारोहण कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण कार्यक्रम के लाभार्थी संघवी श्री. गौतमचन्दजी चम्पालालजी गोल-उम्मेदाबाद निवासी बेंगलोर वाले थे।

इस अवसर पर नेह्लोर आदि स्थानों के गुरुभक्त उपस्थित थे।

मानपाड़ा-थाने में ध्वजारोहण एवं पुण्य-सम्राट प्रतिमा प्रतिष्ठा सम्पन्न

थाने-मुम्बई, (स. सं.),

शान्तिधाम पदयात्री तीर्थ मानपाड़ा (थाने) के रजत-जयन्ती वर्ष के प्रसंग पर ध्वजारोहण एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की प्रतिमा प्रतिष्ठा प्रसंग पर रत्नत्रयी महोत्सव श्री जे. के. संघवी, के. के. संघवी, संघवी कुन्दनमलजी भुताजी श्रीश्रीमाल वर्धमान गौत्रीय परिवार की ओर से आयोजित किया गया।

इस रत्नत्रयी महोत्सव में प. पू. राष्ट्रसन्त शिरोमणि आचार्य श्रीमद्विजय हेमेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के समुदायवर्ती पू. विदुषी साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी म. सा. की शिष्या साध्वीश्री मोक्षमालाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा तथा प. पू. गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं प. पू. माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी विदुषी साध्वीश्री अनन्तदृष्टाश्रीजी म. सा. की शिष्या साध्वीश्री मयूरकलाश्रीजी म. सा. की शिष्या साध्वीश्री योगनिधिश्रीजी म. सा. आदि ठाणा ने शुभ निश्रा प्रदान की।

महोत्सव के प्रथम दिन दिनांक 27-1-2018 को दोपहर 2 बजे श्री शान्तिनाथ पंचकल्याणक पूजा शान्तिनाथ महिला मण्डल-मानपाड़ा द्वारा पढ़ाई गई। द्वितीय दिन दिनांक 28-1-2018 को प्रातः 9 बजे अट्ठारह अभिषेक किया गया। दिनांक 29-1-2018 को संघवी परिवार के उपकारी गुरुदेव पुण्य-सम्राट आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की प्रतिमा की प्रतिष्ठा धूमधाम के साथ की गई। प्रातः 9 बजे सत्तरभेदी पूजा शंखेश्वर राजस्थान महिला मण्डल, थाने व शान्तिनाथ महिला मण्डल, मानपाड़ा द्वारा पढ़ाई गई। प्रातः 10 बजे विधिकारक श्री रमेशभाई ने विधि-विधान के साथ ध्वजारोहण करवाया। संघवी परिवार की ओर से स्वामीवात्सल्य आयोजित किया गया।

महोत्सव के तीनों दिन मन्दिरजी में भव्य अंगरचना एवं प्रभु भक्ति भावना संगीत की सुमधुर स्वरलहरियों के साथ की गई। थाने व दूर-सुदूर क्षेत्रों से गुरुभक्तों ने रत्नत्रयी महोत्सव में आकर दर्शन-वन्दन-प्रवचन का लाभ लिया।

नोट- लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक के ग्राहकों से निवेदन है कि आपका पता अगर बदल गया है तो अपना नवीन पता प्रधान कार्यालय पर भेजने की कृपा करावें, जिससे आपको अंक प्राप्त हो सके। -सम्पादक

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये। घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

चातुर्मास स्मृति महोत्सव में गुरुदेव की स्मृतियों ने कराया लोकसन्त का आभास

रतलाम, (स. सं.)

प. पू. जैनाचार्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की अन्तिम चातुर्मास स्थली जयन्तसेन धाम पर चातुर्मास स्मृति महोत्सव का आयोजन नूतन पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि मुनिमण्डल की पावन निश्रा में राज्य योजना आयोग उपाध्यक्ष, विधायक श्री चैतन्य काश्यप द्वारा आयोजित किया गया। पुण्य-सम्राट का 64वाँ दीक्षा जयन्ती दिवस होने से स्मृति महोत्सव में गुरुगुणानुवाद से सभा स्मरणीय हो गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय मन्त्री श्री थावरचन्द गहलोत, विशेष अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष श्री कान्हसिंह चौहान, राज्य कृषक आयोग अध्यक्ष श्री ईश्वरलाल पाटीदार, जावरा विधायक श्री डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय, ग्रामीण विधायक श्री मथुरालाल डामर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री परमेश मईड़ा, निगम अध्यक्ष श्री अशोक पोरवाल थे।

स्मृति महोत्सव में गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी ने कहा कि पुण्य-सम्राट देह का त्याग कर हमारे बीच से चले गए हैं, मगर उनकी कृपा सभी पर बनी हुई है। आज का दिन पुण्य है, आज पुण्य-सम्राट के 64 वें दीक्षा जयन्ती दिवस पर उनका स्मरण करना हमारे लिए पुण्य लाभ प्राप्त करने समान है। आचार्यश्री ने कहा कि गुरुदेव का रतलाम में अन्तिम चातुर्मास होना पुण्य योग था। प्रबल पुण्योदय के बिना चातुर्मास प्राप्त नहीं होता है। काश्यप परिवार की भावना, सेठ श्री कन्हैयालालजी एवं श्रीमती झमकूबाई काश्यप की सद्भावना को उनके पौत्र श्री चैतन्य काश्यप ने फलीभूत कर इस परिवार की धार्मिकता को आगे बढ़ाया है। रतलाम चातुर्मास विश्व में सर्वश्रेष्ठ रहा। रतलाम के सर्वधर्म ने भी इसकी प्रशंसा की है। आज जयन्तसेन धाम में आने से चातुर्मास की स्मृति ताजा हो गई है।

संघ एकता के शिल्पी, सूरिमन्त्राराधक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने आशीर्वचन प्रदान करते हुए कहा कि संसार की प्रवृत्तियों को छोड़ने का भाव रखें, तो ही आत्मकल्याण हो सकता है। आत्मा का स्वभाव तैरने का और कर्मों का स्वभाव डूबने का है। आत्मा परमात्मा से मिलने के लिए है, जबकि मन संसार के लिए है। आपश्री ने बताया कि जो संसार में बड़ा बनने का भाव रखता है वह मोक्ष मार्ग की ओर कभी प्रवृत्त नहीं हो सकता है। आपने कहा कि रतलाम का चातुर्मास सर्वजन, सर्वसमाज के लिए हुआ था। काश्यप परिवार ने धर्म को जोड़ने में अपना तन-मन-धन समर्पित किया और ऐतिहासिक चातुर्मास यहाँ हुआ था, यह निश्चित रूप से पूर्वजन्म का सौभाग्य रहा होगा। अब तक श्री चैतन्य काश्यप दो हाथों से सामाजिक और धार्मिक कार्यों में समर्पण करते रहे, लेकिन अब उनके दो पुत्र हैं जो चार हाथों से इन कार्यों को आगे बढ़ाएँगे। श्री चैतन्यजी को शासन के महत्त्वपूर्ण पद पर कार्य करने का अवसर मिला है तो वे समाज, जनमानस एवं धर्म के उत्थान के लिए इसी प्रकार समर्पित रहें और जिनशासन के कार्यों में अपनी अहम् भूमिका अदा करें।

चातुर्मास स्मृति महोत्सव के आयोजक रतलाम शहर के विधायक श्री चैतन्य काश्यप ने कहा कि किसी भी नगर का भौतिक विकास निर्माण कार्यों से होता है, परन्तु आध्यात्मिक विकास गुरु के माध्यम से ही होता है। गुरु ही संस्कृति का गौरव बढ़ाते हैं। सन्तों के समागम से शहर का वातावरण आध्यात्मिक होता है इसलिए ऐसे समागम होते रहने चाहिये। आपने कहा कि पूज्य गुरुदेवश्री की वाणी का लाभ रतलाम को चातुर्मास में प्राप्त हुआ। समाज और संस्कृति की सेवा करने की प्रेरणा हमें गुरुदेवश्री से ही प्राप्त हुई। पूज्य गुरुदेवश्री के आशीर्वाद से ही हम कोई संकल्प पूरा कर पाते हैं। अहिंसा ग्राम की शुरूआत भी गुरुदेव के सान्निध्य 2005 में हुई थी और आज यहाँ 35 से अधिक विभिन्न समाज के परिवार निवासरत होकर धर्म, संस्कार और जीवन के मर्म से जुड़े हैं।

सांसारिक जीवन का त्यागकर संयम पथानुगामी सायला (राज.) की कु. अनिता श्री मोहनलालजी एवं बाली (राज.) की कु. मीनल श्री भँवरलालजी कोठारी ने आचार्यद्वय से आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्यश्री ने आगामी 22 अप्रेल 18 को पालीताणा तीर्थ में मुमुक्षुओं की दीक्षा तिथि का मुहूर्त्त प्रदान किया। मुमुक्षु बहनों ने अपनी भावनाएँ व्यक्त की और इनके परिजनों ने उपस्थित गुरुभक्तों को दीक्षा महोत्सव में पधारने का निमन्त्रण दिया। मुमुक्षु बहनों ने गुरुदेव को कामबली अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दीक्षार्थी बहनों का काश्यप परिवार की ओर से बहुमान श्रीमती तेजकुँवरबाई व श्री चैतन्य काश्यप ने किया।

स्मृति महोत्सव पर आयोजित धर्मसभा में मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा., श्री थावरचन्द गहलोत, डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय, कान्हसिंह चौहान आदि ने गुणानुवाद किया। काश्यप परिवार की ओर से मातुश्री तेजकुँवरबाई, चैतन्य काश्यप, श्रीमती गीता, सिद्धार्थ, श्रवण, श्रीमती पूर्वी, श्रीमती अमि, समीक्षा एवं सारांश सहित परिवारजनों ने आचार्यद्वय का कामबली ओढ़ाकर अभिनन्दन किया। इस अवसर हजारों गुरुभक्त उपस्थित थे।

श्री पालीताणा महातीर्थ पावन भूमि पर आचार्यद्वय की निश्रा में आत्मोद्धार-2

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेव राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में तीर्थाधिराज श्री पालीताणा की पावन पुण्य भूमि पर आत्मोद्धार-2 सामूहिक दीक्षा महोत्सव वैशाख शुक्ला 7, दिनांक 22-4-2018 को सम्पन्न होगा।

अ. भा. श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय जैन श्वेताम्बर त्रिस्तुतिक संघ एवं श्री जयन्तगिरि वर्षीतप पारणा समिति द्वारा आयोजित सामूहिक दीक्षा महोत्सव में मेंगलवा (राज.) निवासी मुमुक्षु गुड़ियाकुमारी नरपतराजजी उम्मेदमलजी कंकुचौपड़ा, थराद (गुजरात) निवासी मुमुक्षु मोक्षीबेन अशोकभाई शेठ, दाधाल (राज.) निवासी मुमुक्षु पायलबेन प्रकाशचन्द्र झोटा, उन्दराणा निवासी मुमुक्षु रिंकलबेन अरविन्दभाई दोशी, सायला (राज.) निवासी अनिताबेन मोहनलालजी फोलामुथा तथा बाली (राज.) निवासी मुमुक्षु मीनलबेन रणदीपभाई कोठारी को आचार्यद्वय द्वारा सकल संघ के समक्ष भागवती प्रवज्या अंगीकार करवायी जायेगी।

पुण्य-सम्राट की भावनानुरूप इस वर्ष श्री पालीताणा महातीर्थ में सामूहिक वर्षीतप पारणोत्सव भी आयोज्य है। इस पारणोत्सव में 1000 से अधिक वर्षीतप के तपस्वियों द्वारा पारणा किया जायेगा। त्रिस्तुतिक संघ एवं पारणा समिति द्वारा इन भव्य आयोजनों की तैयारियाँ चल रही है। गच्छाधिपतिश्री एवं सूरिमन्त्राराधक आचार्यदेवेशश्री मध्यप्रदेश में धर्मप्रभावना करते हुए श्री पालीताणा महातीर्थ पर

योगी-वाणी

गलती पर साथ छोड़ने वाले तो संसार में बहुत मिलते हैं, परन्तु गलती पर समझा कर साथ निभाने वाले बहुत कम मिलते है।

हमारी सभी अंगुलियाँ लम्बाई में बराबर नहीं होती है, किन्तु जब वे मुड़ती है तो बराबर दिखाई देती है।

इसी प्रकार यदि हम किन्हीं परिस्थितियों में थोड़ा-सा झुक जाते हैं या आपसी तालमेल बिठा लेते है तो जिन्दगी बहुत ही आसान और आनन्दित हो जाती है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी
हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

सह सम्पादक
कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजे।

❁ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ❁ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

72 जिनालय भीनमाल में त्रिदिवसीय ध्वजारोहण आयोजन सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.),

ऐतिहासिक धर्मधरा भीनमाल नगर में श्री लक्ष्मीवल्लभ पार्श्वनाथ 72 जिनालय तीर्थ की सातवीं वार्षिक ध्वजारोहण तिथि के अवसर पर त्रिदिवसीय महोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया।

श्री लक्ष्मीवल्लभ पार्श्वनाथ ट्रस्ट एवं शाह सुमेरमल हजारीमलजी लुंकड़ चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस त्रिदिवसीय महोत्सव का शुभारम्भ दिनांक 26 जनवरी 2018 को हुआ जो विभिन्न कार्यक्रमों के साथ दिनांक 28-1-2018 को ध्वजारोहण के साथ समापन हुआ।

ध्वजारोहण महोत्सव के तीसरे दिन दिनांक 28-1-2018 को प्रातः शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण किया गया। मन्दिर प्रांगण में स्थित 84 देवरियों पर एक साथ लाभार्थी परिवार द्वारा धार्मिक मन्त्रोच्चार के उच्चारण के साथ विधि-विधानपूर्वक पुरानी ध्वजा को निकाल कर नई ध्वजा फहराई गई।

इस अवसर पर जैनाचार्य श्री मनोहरकीर्तिसागरसूरीश्वरजी म. सा., आचार्यश्री भाग्येशविजयसूरीश्वरजी म. सा., आचार्यश्री लेखेन्द्रशेखरसूरीश्वरजी म. सा. एवं प. पू. युगप्रभावक, पुण्य-सम्राट गुरुदेव, 72 जिनालय के प्रतिष्ठाचार्य श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर द्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं सूरिमन्त्राराधक आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्यरत्न मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिराजश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा., मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में त्रिदिवसीय महोत्सव के अन्तर्गत प्रातः 8.30 बजे सत्तरभेदी पूजन पढ़ाई गई। इसी अवसर पर बधवा नृत्य भी प्रस्तुत किया गया।

लोक कलाकारों द्वारा मन्दिर के बाहरी परिसर में आँगी, गैर डाण्डिया, मयूर नृत्य, कच्छी घोड़ी नृत्य, ढोल, बांकिया तथा नौबत वादन का भी मनमोहक प्रदर्शन किया गया।

त्रिदिवसीय महोत्सव में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रमेश बोराणा तथा कार्यक्रम संयोजिका बिनाका जोश के नेतृत्व में आयोजित किए गए। शनिवार को रात्रि में सुर ताल कार्यक्रम में मुम्बई के बॉलीवुड डांस स्मिथ ग्रुप द्वारा गणेश वन्दना, मनमोहिनी नृत्य, लव थीम नृत्य, युद्धराज नृत्य तथा रंग कृष्ण के संग नृत्य किया गया। बॉलीवुड गायिका तान्या गुप्ता द्वारा गायन, भजन एवं युगल गायन प्रस्तुत किया गया। डिम्पल डेपुटी ग्रुप, सूरत द्वारा पार्श्व महिमा नृत्य, नजराना कथक प्रस्तुत कर लोगों का मनमोह लिया। हास्य कलाकार राजा रेंची ने हास्य के द्वारा सभी को हँसाहँसा कार लोटपोट कर दिया। भजन गायक अजय पुरोहित ने अपने गायन तथा युगल गायन से सभी को भक्ति के रंग में रंग दिया।

साकार हुआ अविस्मरणीय कला उत्सव

72 जिनालय में महाकवि माघ की धर्मधरा पर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों ने अपनी कलाओं से सांस्कृतिक उत्सव का रूप साकार किया। राजस्थान कला साहित्य संस्थान, जोधपुर के संयोजक एवं अकादमी के पूर्व अध्यक्ष श्री रमेश बोराणा एवं फिल्म निर्मात्री बिनाका जोश के निर्देशन में 200 से भी अधिक कलाकारों ने सुर-संगीत, हास्य, नृत्य तथा गीत की रस-धारा से कला महोत्सव में देर रात तक विभिन्न रसों की सरिता बहाते हुए खूब वाहवाही लूटते हुए श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया।

इस अवसर पर उदयपुर के पूर्व महाराजा श्री अरविन्दसिंहजी मेवाड़, सिरोही के पूर्व महाराजा श्री रघुवीरसिंहजी, रानीवाड़ा विधायक श्री नारायणसिंहजी देवल, सिरोही पूर्व विधायक श्री संयमजी लोढ़ा, राजस्थान विद्युत वितरण निगम के मुख्य प्रबन्धक श्रीमन्त पाण्डे, कलेक्टर श्री बाबूलालजी कोठारी, पाली कलेक्टर श्री राजेन्द्रजी गुप्ता सहित मन्दिर निर्माता श्री माणकचन्दजी लुंकड़, श्री रमेशजी लुंकड़, श्री भरतजी लुंकड़, श्री राहुल लुंकड़, श्रीमती मोहिनीदेवी, श्रीमती पवनदेवी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124
09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री..
....
....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित